Import of steel

*312. SHRI SURENDRA SINGH THAKUR: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government are still importing steel;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether the international quality standard has not been achieved by our country in steel production due to technology gap;

(d) if so, what measures Government propose to take to update the technology regarding steel production to compete with the international market; and

(e) what are Government's plans to reduce and gradually stop the import of steel from foreign countries?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR): (a) Steel is being imported by the consumers and the Canalising Agencies in accordance with the Import Policy in force.

(b) During April—October, 1988 the Canalised imports amounted to 4.7 lakh tonnes of steel mainly consisting of flat products like Hot Rolled coils/sheets, Cold Rolled coils/sheets/plates, Tin Mill Cold Plate coils and Electrical Steel sheets etc.

In addition, direct imports are also resorted to by consumers for certain items.

(c) and (d) No, Sir. The quality of tested steel produced in the country is at part with the international standards as well as of ISI specifications.

(e) Modernising, expansion and technological upgradation of the existing steel producing units as well as creation of new steel making facilities is planned to improve indigenous availability and reduce import of steel.

वनस्पति के मूल्य

*313. **श्री राम नरेश यादव :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि क्रमश: अक्तूबर और नवम्बर, 1988 के पहले सप्ताह में खले बाजार में वनस्पति के दाम बढ़कर नये उच्च स्तर पर आ गए थे ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है तथा पिछले वर्ष में इसी अवधि में उसकी क्या कीमत थी ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस मूल्य वृद्धि का कारण सरकार द्वारा की गई यह घोषणा थी कि वनस्पति के निर्माताओं को रियायती दर पर आयातित खाद्य तेल नहीं दिया जाएगा; और

(घ) यदि हां, तो बाजार में नयी फसल के आने से पूर्व ही ऐसी घोषणा किए जाने का क्या कारण था ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुख राम) : (क) अक्तूबर तथा नवम्बर, 1988 के पहले सप्ताह के दौरान कुछ केन्द्रों में वनस्पति के कुछ ब्रांडों के खुदरा थोक मूल्य थोड़े अधिक थे ।

(ख) दिल्ली में निम्नलिखित मूल्य बनाए गए हैं :—

15 कि.ग्रा. का टिन
(स्थानीय करों सहित)

अक्तूबर, 1987 का प्रथम सप्ताह	346.75 रु०
नवम्बर, 1987 का प्रथम सप्ताह	346.75 रु०
अक्तूबर, 1988 का प्रथम सप्ताह	364.75 रु०
नवम्बर, 1988 का प्रथम सप्ताह	370.50 रु०